चले आबे ओ दाई अंगना म मोर

चले आबे ओ दाई अंगना म मोर,
सोला सिंगर करके लाली
चुनरियाँ ओह्ड़े,

आवत अंगना बटोरे हो मईया मोर,
गंगा जल छिड़कावत वो,
चन्दन पीठुलिया म बइठे ल देव,
जमुना पाव पखारव वो,

चले अबे मईया.....
कंचन धारी म नरियर धरके,
सूंदर आरती उतरांव वो,
पारा परोशीन सखिया बलाक़े,

मंगल गीत गाववव वो,
चले आबे ओ मईया.....
पंचरित के भोग लगाववव,
गइया के दूध पियाववव वो,

पलंग बिछवना बइठे ल देववव,
बीड़ा पान खवाव वो,
चले आबे ओ मईया.....

पाव पैजनियां खनके वो मैया मोर,

चुटकी बिछिया बाजय वो,
सातो सखिया मिल तोर जस गावय,
शेखर सुर लमावय वो,
चले आबे ओ मईया...

गायक : मदन चौहान(गुरु जी)
रायपुर छत्तीसगढ़

Source:
https://www.bharattemples.com/chale-aabe-o-daai-angana-me-mor-sola-shingar-karke-lali/

Bharat Temples

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw